चीन का विकल्प तलाश रहे कारोबारी समूहों के लिए बनाई चाइना प्लस वन रणनीति

अमर उजाला ब्यूरो

इन्वेस्ट यूपी की ओर से अमेरिका व यूके में रोड शो और राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस का होगा आयोजन

लखनऊ। चीन का विकल्प तलाश रहे वैश्विक कारोबारी समूहों को आकर्षित करने के लिए यूपी ने चाइना+1 रणनीति बनाई है। इसके तहत दुनियाभर की बड़ी कंपनियों को यूपी में निवेश के लिए अमेरिका और यूके में रोड शो और राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस आयोजित किए जाएंगे। निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी ने इसकी रूपरेखा तैयार की है।

दुनिया के कई देशों के बीच चल रहे तनाव, संघर्ष और वैश्विक सप्लाई चेन में बदलावों के बीच, उत्तर प्रदेश खुद को वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों के प्रतिस्पर्धी गंतव्य के रूप में स्थापित कर रहा है। इस पहल के अंतर्गत इन्वेस्ट यूपी संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और यूनाइटेड किंगडम में रोड शो, राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस और संवाद आयोजित कर रही है।

इसका उद्देश्य फॉर्च्यून 500 कंपनियों के औद्योगिक निवेश को आकर्षित करना है। इसके तहत न्यूयार्क, सैन फ्रांसिस्को, लास एंजेलिस, लंदन, पेरिस, फ्रैंकफर्ट, मिलान, एम्स्टर्डम और बर्मिंघम जैसे प्रमुख शहरों में उच्च स्तरीय बी2जी (बिजनेस-टू-गवर्नमेंट) बैठकें होंगी। इस अभियान में भारतीय दूतावास तथा यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी), भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) भी जुड़े हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में पीवीएच कॉर्पोरेशन, राल्फ लॉरेन, गूगल, अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस), माइक्रोसॉफ्ट अज्योर, ओरेकल क्लाउड डेटा सेंटर, स्टैक इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्केचर्स, मैटल, टॉम्स और जैक्स पैसिफिक जैसी कंपनियों के साथ बैठकें हैं। यूरोप और यूनाइटेड किंगडम में भी बैठकें होंगी।

इस संबंध में मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास के परिवर्तनकारी चरण से गुजर रहा है। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सबसे बड़े उपभोक्ता आधार के साथ, ये पहल उत्तर प्रदेश को घरेलू और वैश्विक निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करेगी।